व्यावसायिक योजना

आय सृजन गतिविधि – पाइन सुई हस्तशिल्प
कोरगन देवता - स्वयं सहायता समूह

एसएचजी/सीआईजी नाम	::	कोर्गन देवता
वीएफडीएस नाम	::	कांडा
श्रेणी	::	मशोबरा
विभाजन	::	शिमला

हिमाचल प्रदेश वन पारिस्थितिकी तंत्र प्रबंधन और आजीविका सुधार परियोजना
(JICA द्वारा वित्त पोषित))

के तहत तैयार:

विषयसूची

क्रमांक I	विवरण	पृष्ठ/पृष्ठ
1	पृष्ठभूमि	3
2	एसएचजी/सीआईजी का विवरण	4
3	लाभार्थियों का विवरण	5
4	गांव का भौगोलिक विवरण	5
5	आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण	5-6
6	उत्पादन प्रक्रियाएं	6
7	उत्पादन योजना	6-7
8	बिक्री और विपणन	7
9	स्वोट अनालिसिस	7-8
10	सदस्यों के बीच प्रबंधन का विवरण	8
11	अर्थशास्त्र का विवरण	9-10
12	आर्थिक विश्लेषण का निष्कर्ष	11
१३	निधि की आवश्यकता	11
14	निधि के स्रोत	12
15	बैंक ऋण चुकौती	12
16	प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन	13
17	निगरानी विधि	14
18	समूह सदस्य फ़ोटो	15
19	अनुबंध	16-18

पृष्ठभूमि

हिमालय पर्वत दुनिया भर से लोगों को आकर्षित करता है। हर साल हज़ारों लोग हिमालय के बड़े क्षेत्र में स्थित कुछ छोटे हिल स्टेशनों पर घूमने और समय बिताने के लिए आते हैं। हिमालय में प्रवेश करते ही आपको एक बड़े क्षेत्र में एक ही तरह के देवदार के पेड़ दिखाई देते हैं। वे लंबे, सुंदर और अक्सर सुंदर बताए जाते हैं। लेकिन इस सुंदरता की वजह से जंगल को बहुत नुकसान हो रहा है। चूंकि देवदार की सुइयां अत्यधिक ज्वलनशील होती हैं और जंगल में आग लगने का प्रमुख कारण होती हैं। चीड़ के जंगलों में आग लगने की ज़्यादातर घटनाएं होती हैं क्योंकि गर्मियों के दौरान पेड़ों से देवदार की सुइयां गिरती हैं जो अत्यधिक ज्वलनशील होती हैं।

हालांकि, ये सुइयां जो गर्मियों के मौसम में जंगल की आग का प्रमुख कारण बनती हैं, ग्रामीण लोगों के लिए आय का स्रोत बन सकती हैं और जंगल की आग की संभावना को भी कम कर सकती हैं। यह पहल एक तरफ महिलाओं को आर्थिक सशक्तीकरण दे सकती है, वहीं दूसरी तरफ वनों की रक्षा और संरक्षण की दिशा में काम करने के लिए उनकी सक्रिय भागीदारी भी बढ़ा सकती है। पाइन सुइयों का उपयोग सुंदर और आकर्षक हस्तशिल्प वस्तुओं जैसे कोस्टर, टेबल मैट, टोकरियाँ, फूलदान, ट्रे, बक्से और अन्य सजावटी कृतियाँ बनाने के लिए किया जा सकता है। हालाँकि इन वस्तुओं को बनाने की प्रक्रिया सरल है, लेकिन इन पाइन सुइयों को बुनने, लपेटने और गूँथने के लिए मैन्युअल कौशल की आवश्यकता होती है ताकि प्रत्येक टुकड़ा कलात्मकता का काम बन सके।

1. एसएचजी/सीआईजी का विवरण

एसएचजी/सीआईजी नाम	::	कोर्गन देवता
वीएफडीएस	::	कांड
श्रेणी	::	मशोबरा
विभाजन	::	शिमला
गाँव	::	कांड
अवरोध पैदा करना	::	मशोबरा
ज़िला	::	शिमला
एसएचजी में सदस्यों की कुल संख्या	::	8
गठन की तिथि	::	03/07/2023
बैंक खाता सं.	::	14050110061640
बैंक विवरण	::	यूको बैंक गुम्मा
एसएचजी/सीआईजी मासिक बचत	::	100/-
कुल बचत	::	3200/-
कुल अंतर-ऋण	::	-
नकद क्रेडिट सीमा	::	-
पुनर्भुगतान स्थिति	::	-

2. लाभार्थियों का विवरण:

सी नि	नाम	पिता/पति का नाम	आयु	वर्ग	आय स्रोत	पता

यर न हीं						
1	निर्मला देवी	श्री दीप राम	३१	अनुसूचित जाति	कृषि	गांव कुई
2	कोमल शर्मा	श्री हरीश शर्मा	27	सामान्य	कृषि	गांव . कांडा
3	रेणु	श्री धर्मेन्द्र सेन	30	सामान्य	कृषि	गांव . कांडा
4	सुनीता	श्री गीता राम शर्मा	46	सामान्य	कृषि	गांव . कांडा
5	पूनम	श्री कपिल ठाकुर	30	सामान्य	कृषि	गांव . कांडा
6	समृति	श्री करण शर्मा	25	सामान्य	कृषि	गांव . कांडा
7	राधा	श्री मुशु राम	43	अनुसूचित जाति	कृषि	गांव कुई
8	रेखा ठाकुर	श्री हरीश कुमार	28	सामान्य	कृषि	गांव . कांडा

3. एस.सी. गांव का भौगोलिक विवरण

3.1	जिला मुख्यालय से दूरी	::	65 किमी
3.2	मुख्य सड़क से दूरी	::	10 किमी
3.3	स्थानीय बाजार का नाम एवं दूरी	::	बसंतपुर 10 किमी, सुन्नी 15 किमी
3.4	मुख्य बाजार का नाम एवं दूरी		मशोबरा 45 किमी
3.5	मुख्य शहरों के नाम एवं दूरी		शिमला, 65 किमी
3.6	मुख्य शहरों का नाम जहां उत्पाद बेचा/विपणन किया जाएगा	::	सुन्नी, मशोबरा , शिमला

4. आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण

4.1	उत्पाद का नाम	::	पाइन सुई हस्तशिल्प
4.2	उत्पाद पहचान की विधि	::	इस गतिविधि का निर्णय समूह के सदस्यों द्वारा सामूहिक रूप से लिया गया है।
4.3	एसएचजी/सीआईजी/क्लस्टर सदस्यों की सहमति	::	हाँ

5. उत्पादन प्रक्रियाओं का विवरण

कदम		विवरण
स्टेप 1	::	**देवदार की सुइयां इकट्ठा करना** —सहकारी संस्था अपने बच्चों के साथ मिलकर अपने गांव के आस-पास की पहाड़ियों में देवदार की सुइयां खोजने का काम करती है - यह काम लंबे समय तक और बिना रुके चलता रहता है। महिलाएँ अक्सर पहले से योजना बनाती हैं, साल भर टोकरियाँ बनाने के लिए सूखे मौसम में देवदार की सुइयां इकट्ठा करती हैं।
चरण दो	::	**सुइयों को तैयार करना**- जब महिलाएँ चीड़ की सुइयों को इकट्ठा करके वापस आती हैं, तो वे सुइयों को साफ करके ग्लिसरीन मिले पानी में उबालती हैं और फिर उन्हें अंदर से सुखाती हैं। वे इन सूखी हुई चीड़ों को स्टोर करके रखती हैं ताकि वे साल भर उत्पाद बना सकें।
चरण 3	::	**टोकरियाँ और अन्य उत्पाद बुनना**- महिलाएँ मजबूत आधार बनाने के लिए 5-10 पाइन सुइयों से बुनाई की प्रक्रिया शुरू करती हैं। पाइन सुइयों के चारों ओर कसकर एक धागा लपेटने से वे अपनी जगह पर सुरक्षित हो जाती हैं। महिलाएँ पाइन सुइयों को एक वृत्त या अंडाकार आकार में लपेटना जारी रखती हैं, धागे का उपयोग करके आकार बनाती हैं और उत्पाद के सौंदर्य को भी बढ़ाती हैं। महिलाएँ विभिन्न प्रकार के डिज़ाइन बनाने के लिए इस प्रक्रिया को जारी रखती हैं और अक्सर अंतिम उत्पाद बनाने के लिए सैकड़ों पाइन सुइयों का उपयोग करती हैं।
चरण 4	::	**तैयार टोकरियाँ** - कई दिनों की कड़ी मेहनत के बाद महिलाएँ विभिन्न प्रकार के उत्पाद बनाती हैं।

6. उत्पादन योजना का विवरण

6.1	उत्पादन (दिनों में)	::	पूरे वर्ष भर
6.2	श्रमशक्ति	::	महिलाएं जब अपने दैनिक कार्यों से मुक्त होती हैं तो प्रतिदिन बुनाई का काम करती हैं।
6.3	कच्चे माल का स्रोत	::	जंगल से
6.4	अन्य संसाधनों का स्रोत	::	मुक्त बाज़ार
6.5	कच्चा माल - प्रति सदस्य आवश्यक मात्रा (किग्रा)	::	1800 किग्रा./प्रति वर्ष

7. विपणन / बिक्री का विवरण

7.1	संभावित बाज़ार स्थान	::	मशोबरा , शिमला स्थानीय बाजार (बसंतपुर , सुन्नी)
7.2	बाज़ार/स्थानों में उत्पाद की मांग	::	शिमला के पर्यटन स्थलों में भारी मांग
7.3	बाजार की पहचान की प्रक्रिया	::	स्वयं सहायता समूह के सदस्यों ने स्थानीय और शिमला बाजार में दुकानदारों और प्रदर्शनियों/मेलों की पहचान की।
7.4	उत्पाद की विपणन रणनीति		भविष्य में बेहतर बिक्री मूल्य के लिए स्वयं सहायता समूह के सदस्य अपने गांवों के आसपास अतिरिक्त विपणन विकल्पों की भी खोज करेंगे।
7.5	उत्पाद ब्रांडिंग		सीआईजी/एसएचजी स्तर पर उत्पाद का विपणन संबंधित सीआईजी/एसएचजी की ब्रांडिंग द्वारा किया जाएगा। बाद में इस आईजीए को क्लस्टर स्तर पर ब्रांडिंग की आवश्यकता हो सकती है
7.6	उत्पाद "नारा"		"प्रकृति के अनुकूल"

8. स्वोट अनालिसिस

- **ताकत**
  - जंगल में कच्चा माल आसानी से उपलब्ध है।
  - विनिर्माण प्रक्रिया सरल है
  - परिवहन में आसान
  - लंबी संग्रहण और उपयोग अवधि
- **कमजोरी**
  - विनिर्माण प्रक्रिया/उत्पाद पर तापमान, आर्द्रता, नमी का प्रभाव।
  - समय लेने वाली प्रक्रिया.
- **अवसर**
  - हस्तशिल्प उत्पादों के प्रति बढ़ती रुचि।
  - पर्यटक अक्सर मशोबरा और शिमला आते हैं।
  - दैनिक दिनचर्या की गतिविधियों के बाद खाली समय का सर्वोत्तम उपयोग।

- जेआईसीए एचपी वानिकी परियोजना द्वारा वित्तीय सहायता, प्रशिक्षण और प्रदर्शन का आयोजन किया जाएगा।

❖ **खतरे/जोखिम**

- वर्षा ऋतु में नमी एवं जलवायु परिवर्तन के कारण उत्पादन में बाधा की सम्भावना ।
- प्रतिस्पर्धी बाजार
- समूह में आन्तरिक संघर्ष, पारदर्शिता का अभाव, उच्च जोखिम वहन क्षमता का अभाव।
- प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण एवं कौशल उन्नयन में भागीदारी के प्रति लाभार्थियों में प्रतिबद्धता का स्तर।

9. सदस्यों के बीच प्रबंधन का विवरण

➔ **उत्पादन** - कच्चे माल की खरीद सहित इसका ध्यान व्यक्तिगत सदस्यों द्वारा रखा जाएगा

➔ **गुणवत्ता आश्वासन** – सामूहिक रूप से

➔ **सफाई और पैकेजिंग** – सामूहिक रूप से

➔ **विपणन** – सामूहिक रूप से

➔ **इकाई की निगरानी** - सामूहिक रूप से

11. अर्थशास्त्र का विवरण

(वास्तविक राशि रु. में)

क्र. सं.	विवरण	इकाइयों	मात्रा/संख्या	लागत (रु.)	वर्ष 1	वर्ष 2	व
एक।	**पूंजी लागत**						
1	पॉली बुना कपड़ा बैग	संख्या.	8	500	4000	0	0
2	दारी (10x12)	संख्या.	1	2000	2000	0	0
3	छेदन यंत्र	संख्या.	1	3000	3000	0	0
4	कैंची	संख्या.	8	200	1600	0	0
5	इंच टेप	संख्या.	8	30	240	0	0
6	प्लास्टिक शीट (10x12)	संख्या.	4	1500	6000	0	0
7	लोहे के रैक	संख्या.	4	3000	12000	0	0
	उप कुल				**28,840**		
बी	**आवर्ती लागत**						
1	सुइयों	संख्या.	40	5	200	210	
2	धागा	संख्या.	480	20	9600	10080	
3	लकड़ी के टुकड़े	संख्या.	480	100	48000	50400	
4	श्रम लागत	प्रति खंड	480	300	144000	151200	
5	पैकिंग सामग्री	संख्या.	480	10	4800	5040	
6	अन्य हैंडलिंग शुल्क (परिवहन)	संख्या.	480	10	4800	5040	
	कुल आवर्ती लागत				**211400**	**221970**	
	कुल लागत = पूंजी और आवर्ती				**240240**	**221970**	
	बिक्री	संख्या.	480	600	**288000**	**302400**	
	शुद्ध रिटर्न (सीबी)				**47760**	**80430**	

नोट – चूंकि श्रम कार्य स्वयं सहायता समूह के सदस्यों द्वारा किया जाएगा और चीड़ की सुइयां जंगल में पहले से ही उपलब्ध हैं और ये सामग्री उनके द्वारा नहीं खरीदी जाएगी , इसलिए आवर्ती लागत (श्रम) लागत, कच्चे माल की खरीद की लागत) को कुल आवर्ती लागत से घटाया जा सकता है।

आर्थिक विश्लेषण

विवरण	वर्ष 1	वर्ष 2	वर्ष 3	वर्ष 4	वर्ष 5
पूंजी लागत	**28,840**				
आवर्ती लागत	211400	221970	233069	244722	256958
कुल लागत	240240	221970	233069	244722	256958
कुल मुनाफा	288000	302400	317520	333396	350066
शुद्ध लाभ	**47760**	**80430**	**84451**	**88674**	**93108**

शुद्ध लाभ का वितरण – उत्पादन में हिस्सेदारी के अनुसार।

12. आर्थिक विश्लेषण के निष्कर्ष

- चीड़ की सुइयों का उपयोग सुंदर और आकर्षक हस्तशिल्प वस्तुएं बनाने के लिए किया जा सकता है, जैसे कोस्टर, टेबल मैट, टोकरियाँ, फूलदान, ट्रे, बक्से और अन्य सजावटी वस्तुएं।
- चूंकि चपाती बॉक्स की मांग 90% है, इसलिए यहां गणना के उद्देश्य से चपाती बॉक्स को लिया गया है।
- यह प्रस्तावित है कि प्रत्येक सदस्य प्रति वर्ष 60 से अधिक विभिन्न वस्तुओं का उत्पादन करेगा, जिसके परिणामस्वरूप एक वर्ष में स्वयं सहायता समूह के सभी 08 सदस्यों द्वारा 480 से अधिक वस्तुओं का उत्पादन किया जाएगा।
- चपाती बॉक्स की उत्पादन लागत 440.00 रुपये (प्रति इकाई) है
- पाइन नीडल हस्तशिल्प निर्माण एक लाभदायक आईजीए है और इसे स्वयं सहायता समूह के सदस्यों द्वारा अपनाया जा सकता है।

13. निधि की आवश्यकता:

क्रम सं.	विवरण	कुल राशि (रु.)	परियोजना समर्थन	एसएचजी योगदान
1	कुल पूंजी लागत	**28,840**	21630	7,210
2	कुल आवर्ती लागत	211400	---	211400
3	प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन	50000	50000	----
	कुल =	**2,90,240**	**71630**	**218610**

टिप्पणी-

- **पूंजीगत लागत** - परियोजना के अंतर्गत पूंजीगत लागत का 75% कवर किया जाएगा
- **आवर्ती लागत** - एसएचजी/सीआईजी द्वारा वहन की जाएगी।
- **प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन** - परियोजना द्वारा वहन किया जाएगा

14. निधि के स्रोत:

परियोजना समर्थन;	• परियोजना की पूंजीगत लागत का 75% हिस्सा वहन किया जाएगा। • स्वयं सहायता समूह के बैंक खाते में एक लाख रुपये तक की धनराशि जमा की जाएगी। • प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन लागत।	कोडल औपचारिकताओं का पालन करने के बाद संबंधित डीएमयू/एफसीसीयू द्वारा सामग्री की खरीद की जाएगी ।

एसएचजी योगदान	• पूंजीगत लागत का 25% स्वयं सहायता समूह द्वारा वहन किया जाएगा , इसमें शेड/शेड निर्माण की लागत शामिल है । • आवर्ती लागत स्वयं सहायता समूह द्वारा वहन की जाएगी	

15. बैंक ऋण चुकौती

यदि ऋण बैंक से लिया गया है तो यह नकद ऋण सीमा के रूप में होगा और सीसीएल के लिए कोई पुनर्भुगतान अनुसूची नहीं है; हालांकि, सदस्यों से मासिक बचत और पुनर्भुगतान रसीद सीसीएल के माध्यम से प्राप्त की जानी चाहिए।

- सीसीएल में, एसएचजी के बकाया मूल ऋण का भुगतान वर्ष में एक बार बैंकों को किया जाना चाहिए। ब्याज राशि का भुगतान मासिक आधार पर किया जाना चाहिए।
- सावधि ऋणों में, पुनर्भुगतान बैंकों में निर्धारित पुनर्भुगतान अनुसूची के अनुसार किया जाना चाहिए।

16. प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन

प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन की लागत परियोजना द्वारा वहन की जाएगी।

निम्नलिखित कुछ प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन प्रस्तावित/आवश्यक हैं:

- परियोजना अभिविन्यास समूह गठन/पुनर्गठन
- समूह अवधारणा और प्रबंधन
- आईजीए का परिचय (सामान्य)
- विपणन और व्यवसाय योजना विकास
- बैंक ऋण लिंकेज एवं उद्यम विकास
- एसएचजी/सीआईजी का एक्सपोजर दौरा – राज्य के भीतर और राज्य के बाहर

17. निगरानी तंत्र

- वीएफडीएस की सामाजिक लेखा परीक्षा समिति आईजीए की प्रगति और निष्पादन की निगरानी करेगी तथा प्रक्षेपण के अनुसार इकाई का संचालन सुनिश्चित करने के लिए आवश्यकता पड़ने पर सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव देगी।
- स्वयं सहायता समूह को प्रत्येक सदस्य की आईजीए की प्रगति और निष्पादन की समीक्षा करनी चाहिए तथा यदि आवश्यक हो तो सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव देना चाहिए ताकि इकाई का संचालन अनुमान के अनुसार सुनिश्चित हो सके।

ग्रुप के सदस्यों की फोटो –

Annexure-I

Resolution-cum-Group Consensus Form

It is decided in the General House Meeting of the group...Korgan Devta...held on..23/10/2023..at......Kanda........that our group will undertake....Pine-needle handicrafts..as Livelihood Income Generation Activity under the Project for Improvement of Himachal Pradesh Forest Ecosystems Management & Livelihoods (JICA assisted).

प्रधान / सचिव
जय कुरगन देवता

Signature of Group Pradhan

प्रधान / सचिव
जय कुरगन देवता

Signature of Group Secretary

Business Plan approved by VFDS

Koegan Devta SHG group will undertake Pine needle handicrafts as Livelihood income generation activity under the Project for Improvement of Himachal Pradesh Forest Ecosystems Management & Livelihoods (JICA assisted). In this regard Business Plan of ₹. 2,90,240/- has been submitted by this group on dated 23/10/2023 and this Business Plan has been approved by VFDS... Kanda.....

Business Plan with SHG resolution is being submitted to DMU through FTU for further necessary action please.

President
Village Forest Development Society
Kanda

Signature of VFDS President

Secretary
Village Forest Development Society
Kanda

Signature of VFDS Secretary

Submitted to DMU through FTU

Name & Signature of FTU Officer

Range For cer
Mashobra Forest Range
Mashobra, Shimla-7

Name & Signature of FTU Coordinator

Name & Signature of DMU Officer

DFO-cum-DMU OFFICER
JICA FORESTRY Project
SHIMLA